

अखिल भारतीय शिक्षा प्रौद्योगिकी की पहुंच

प्रासंगिकता: जीएस 2: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

की वर्ड्स: एड-टेक, शिक्षा-प्रौद्योगिकी उद्योग, इन-क्लास लर्निंग, अफोर्डेबिलिटी, एक्सेसिबिलिटी, स्वयंवर, दीक्षा, ई-पाठशाला, स्थानीय भाषाएं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, कोविड महामारी, शिक्षक-से-छात्र अनुपात, डिजिटल शिक्षा, ई-लर्निंग .

चर्चा में क्यों?

- कोविड महामारी के कठिन समय के दौरान, भारत ने शिक्षा-प्रौद्योगिकी उद्योग, और दूरस्थ शिक्षा में तेजी से वृद्धि देखी गई जो कि भारत के कई हिस्सों में पहुंच से बाहर थी लेकिन अब इसकी पहुंच आसान हो गई है और इसे एक कक्षा में नियमित शिक्षा के एक बड़े विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

एड-टेक के विकास के लिए उत्प्रेरक क्या हैं?

- वहनीयता और पहुंच:**
 - ऑनलाइन शिक्षा पारंपरिक शिक्षा की तुलना में कहीं अधिक सस्ती और सुलभ है।
 - उद्योग की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 की तुलना में, 2022 में ग्रेड 1 से 12 तक की शिक्षा में लगभग 6.3 गुना वृद्धि हुई है।
 - इसकी सामर्थ्य, लचीलेपन और आसान पहुंच के कारण, विभिन्न आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के बच्चे ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफार्मों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।
- सरकार की पहल:**
 - सरकार द्वारा की गई कुछ पहलों में स्वयंवर (युवा आकांक्षी दिमागों के लिए सक्रिय शिक्षण का अध्ययन), दीक्षा और इसकी ई-पाठशाला पहल हैं।
 - इन पहलों ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षण संस्थानों को शिक्षण के ऑनलाइन तरीकों पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया है, और परिस्थितियों की परवाह किए बिना शैक्षणिक सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने में मदद की है।
- विकास की संभावनाएं:**
 - हाल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले 10 वर्षों में एड-टेक उद्योग का 30 अरब डॉलर तक विस्तार होना तय है और इस क्षेत्र द्वारा देखी जाने वाली बढ़ती मांग को कोविड के बाद सामान्यीकरण के साथ-साथ माता-पिता और छात्रों द्वारा दूरस्थ शिक्षा की स्वीकृति के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

कौन सी विशेषताएं एड-टेक को वहनीय और सुलभ बनाती हैं?

- **पारंपरिक कक्षा के बुनियादी ढांचे की कोई आवश्यकता नहीं:**
 - ग्रामीण भारत में अधिकांश छात्र बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बुनियादी शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ थे।
 - यहां तक कि जब वे स्कूल जाना और सीखना चाहते थे, तब भी वे अपने निवास के उचित निकटता में कोई स्कूल उपलब्ध नहीं होने जैसे कारकों के कारण असमर्थ थे।
 - एड-टेक प्लेटफॉर्म धीरे-धीरे लेकिन लगातार ग्रामीण भारत में प्रवेश कर रहे हैं और नए अवसर पैदा कर रहे हैं।
 - एड-टेक लर्निंग के प्रसार के माध्यम से, पारंपरिक कक्षा की आवश्यकता अतीत की बात हो गई है।
- **डायरेक्ट-टू-होम लर्निंग:**
 - छात्र अब अपने घरों में आराम से सीख सकते हैं, और अपनी सुविधानुसार पढ़ाई भी कर सकते हैं, साथ ही दिन में आवश्यकतानुसार अपने परिवार का समर्थन कर सकते हैं।
- **स्मार्टफोन के माध्यम से सुलभता:**
 - छात्रों के लिए स्मार्टफोन के माध्यम से कक्षाओं के लिए साइन अप करना आसान है, जो अब व्यापक रूप से स्वामित्व में हैं।
- **परेशानी मुक्त भुगतान:**
 - इन पाठ्यक्रमों या कक्षाओं के लिए भुगतान क्रेडिट कार्ड या यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है, और जो लोग कक्षाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते वे विभिन्न सामाजिक पहलों के माध्यम से मुफ्त पाठ्यक्रमों के लिए साइन अप कर सकते हैं।
- **पाठ्यक्रम भाषाएँ:**
 - इनमें से बहुत से पाठ्यक्रम स्थानीय भाषाओं में ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखण में एक भाषा बाधा को हटाने में मदद करते हैं।
- **सीखने का व्यक्तिगत अनुभव:**
 - प्रौद्योगिकी भी छात्र की जरूरतों के अनुसार सीखने के अनुभव को वैयक्तिकृत करने में मदद करती है, और एड-टेक एप्लिकेशन व्यक्ति के अनुरूप पाठ्यक्रमों के साथ आने के लिए छात्र के प्रदर्शन और व्यवहार को ट्रैक कर सकते हैं।
 - यह विशिष्ट अध्ययन योजनाओं को तैयार करने के लिए शिक्षकों पर बोझ को भी कम करता है, क्योंकि एड-टेक उपकरण व्यक्तिगत पाठ कार्यक्रमों के साथ छात्रों का आकलन और सहायता भी करते हैं।

ग्रामीण भारत में एड-टेक को प्रोत्साहित और नियोजित करने के तरीके:

- **सरकारी निजी कंपनी भागीदारी:**

- सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भागीदारी सबसे कुशल तरीकों में से हैं और दूरस्थ कक्षाओं के माध्यम से लोगों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदान करने में मददगार साबित हुई हैं।

- **सहयोग:**

- यदि सरकारी स्कूल और एड-टेक व्यवसाय एक साथ काम करते हैं, तो वे व्याख्यान और अध्ययन सामग्री दोनों प्रदान करने और एक ऑनलाइन स्कूल के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने में मदद कर सकते हैं।

- **शिक्षक के रूप में सुविधाकर्ता:**

- ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षक भी ऐसे सहायक हो सकते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि ग्रामीण भारत में छात्रों को शिक्षण की समान गुणवत्ता प्राप्त हो। यह बदले में, उन्हें शिक्षा और इसकी गुणवत्ता के मामले में एक समान अवसर प्रदान करेगा।

- **टेलीविजन और रेडियो के माध्यम से जागरूकता:**

- एक अन्य प्रभावी तरीका टेलीविजन और रेडियो से बाजार की शक्ति का उपयोग करना और देश के दूर-दराज के हिस्सों में डिजिटल सीखने के लचीलेपन, सामर्थ्य और पहुंच के बारे में जागरूकता फैलाना है।

- **स्थानीय भाषाओं का प्रयोग:**

- ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को पढ़ाने के लिए स्थानीय भाषाओं के उपयोग से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि वे समझ रहे हैं कि क्या पढ़ाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप कम ड्रॉप-आउट और कक्षा पुनरावृत्ति होगी।

- **एड-टेक की आवश्यकता:**

- एड-टेक के साथ, एक बच्चा किसी भी समय और कहीं भी बिना स्थान, वित्तीय या काम से संबंधित बाधाओं के अध्ययन कर सकता है।
- एड-टेक ऐप उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं जहां शिक्षक-से-छात्र अनुपात असंतुलित है, और इन युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के विभिन्न विकल्पों तक पहुंच प्रदान कर सकते हैं, यहां तक कि यह उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।
- पूर्वोत्तर भारत के सुदूर कोने में बैठे बच्चे से लेकर जम्मू में घर पर रहने के लिए मजबूर किसान के बच्चे से लेकर बिहार में खेती में माता-पिता की मदद करने वाले बच्चे से लेकर उत्तराखंड में स्कूल जाने के लिए लंबी दूरी तय करने वाले बच्चे तक को, अब से आवश्यक स्कूली शिक्षा को खोने के लिए किसी को भी मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

- **निष्कर्ष:**

- सरकार, कॉरपोरेट घरानों और समाज की भूमिका महत्वपूर्ण है, और उन्हें पहुंच और अपनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। यदि वे एक टीम के रूप में एक साथ

काम करते हैं, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी तक पहुंच और इसे अपनाने की समस्या को हल करने में मदद कर सकते हैं।

- डिजिटल शिक्षा ने उन लाखों बच्चों के लिए उम्मीद जगाई है जो स्कूल नहीं जा रहे हैं या उन्हें उचित शिक्षा नहीं मिल रही है।
- यह 'भारत' को भारत से जोड़ेगा क्योंकि ई-लर्निंग की शक्ति हमारे लोगों के पक्ष में काम करती है।

स्रोत: लाइव मिंट

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

Q. स्वयं प्रभा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है।
2. यह 24X7 आधार पर देश भर में डीटीएच (डायरेक्ट टू होम) के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल प्रदान करने की एक पहल है।
3. डीटीएच चैनल कार्यक्रम के प्रसारण के लिए जीसैट-15 उपग्रह का उपयोग कर रहे हैं।

उपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

स्पष्टीकरण:

- SWAYAM प्रभा 24X7 आधार पर देश भर में डीटीएच (डायरेक्ट टू होम) के माध्यम से 34 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल प्रदान करने के लिए शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है।
- इसमें विविध विषयों को शामिल करते हुए पाठ्यक्रम आधारित पाठ्यक्रम सामग्री है। इसका मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संसाधनों को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाना है जहाँ इंटरनेट की उपलब्धता अभी भी एक चुनौती है।
- डीटीएच चैनल कार्यक्रम के प्रसारण के लिए जीसैट-15 उपग्रह का उपयोग कर रहे हैं।

मुख्य परीक्षा प्रश्न:

Q. भारत में शिक्षा-प्रौद्योगिकी (एड-टेक) उद्योग के विकास के लिए उत्प्रेरक क्या हैं? ग्रामीण भारत में एडटेक को प्रोत्साहित और नियोजित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए।